1152

बी. ए. प्रथम वर्ष संस्कृत

द्वितीय प्रश्न पत्र: गद्य, व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम – **100 अंक**

पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों और प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। पाठ्यक्रम की इकाइयाँ–

प्रथम इकाई – हितोपदेश का मित्रलाभ।

द्वितीय इकाई – लघुसिद्धान्तकौमुदी से संज्ञाप्रकरण तथा अच् सन्धि।

तृतीय इकाई – समास तथा कारक प्रकरण।

चतुर्थ इकाई – शब्दरूप।

पंचम इकाई – अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)

पाठ्यक्रम एवं विस्तृत विवरण –

1. गद्य – हितोपदेश–मित्रलाभ (अश्लील अंश को छोड़कर) – नारायण पण्डित विरचित।
2. व्याकरण – (क) लघुसिद्धान्तकौमुदी – संज्ञाप्रकरण तथा अच्सन्धि

   (ख) समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व समासों का सोदाहरण सामान्य परिचय अपेक्षित है।

   (ग) कारक – निम्नलिखित सूत्रों का अध्ययन अपेक्षित है –

कर्तुरीप्सिततमं कर्म, अकथितं च, अधिशीङ्स्थासां कर्म, उपान्वध्याङ्वसः कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे, साधकतमं करणम्, अपवर्गे तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, येनाङ्गविकारः, इत्थंभूतलक्षणे, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, रुच्यर्थाना प्रीयमाणः धारेरुत्तमर्णः क्रुधद्रुहेर्ष्या सूयार्थानां यं प्रतिकोपः, तादर्थ्ये चतुर्थी वाच्या, नमःस्वस्तिस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम् भीत्रार्थानां भयहेतुः, वारणार्थानामीप्सितमः, आख्यातोपयोगे, जनिकर्तुः प्रकृतिः, भुवः प्रभवश्च, दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च, पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्तरस्याम्, षष्ठी शेषे, षष्ठीहेतुप्रयोगे कर्तृकर्मणोः कृतिः तुल्यार्थैरतुलोपमाभ्यां तृतीयान्यतरस्याम्, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यस्य च भावेन भावलक्षणम्, षष्ठी चानादरे, यतश्च निर्धारणम्।

(ध) शब्दरूप –

सर्व, विश्व, इदम्, अदस्, तत्, यत्, एतत्, सर्वनाम एवं एक से दश तक के संख्यावाची शब्दों के तीनों लिंगों एवं सभी विभक्तियों के रूप तथा मातृ, पितृ, आत्मन्, धनुष्, वधू, स्त्री, नामन्, भगवत्, विद्वस्, राजन्, भवत्, पुमान्, वेधस्, सरित्, वाच्, दिश् शब्द।

3. अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत में।

प्रथम खण्ड– 'अ' – (अति लघुतरात्मक) 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित **अति लघुतरात्मक** कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खण्ड– 'ब' (व्याख्यात्मक भाग) 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएँ) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रमानुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा –

(क) हितोपदेश में से चार श्लोक देकर किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ख) लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञाप्रकरण से चार सूत्र देकर किन्हीं दो सूत्रों की उदाहरण सहित सिद्धि और अच्सन्धि प्रकरण से चार शब्द देकर किन्हीं दो की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय–द्विगु, बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व समासों में से प्रत्येक समास में से दो–दो के क्रम से दस समस्त पद देकर किन्हीं पाँच का समास विग्रह नाम निर्देशपूर्वक पूछा जाएगा। 10 अंक

(घ) शब्दरूप –पाठ्यक्रम में दिए गए शब्द रूपों में से बीस रूप देकर किन्हीं दस रूपों के लिंग–वचन–विभक्ति पूछी जाएगी। 10 अंक

(ङ) इसके अन्तर्गत बीस हिन्दी में वाक्य देकर किन्हीं दस वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद पूछा जाएगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड– 'स' (विवेचनात्मक भाग) 30 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 – 15** अंक निर्धारित हैं।

1. हितोपदेश में वर्णित मुख्य विषय से सम्बद्ध अथवा उसमें वर्णित कथा का सारांश और उससे मिलने वाली शिक्षा, उपदेश, सन्देश, महत्त्व आदि पर आधारित दो प्रश्न देकर एक पूछा जाएगा। 15 अंक
2. कारक – पाठ्यक्रम में दिए गए सूत्रों में से आठ सूत्र देकर किन्ही चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाएगी। 15 अंक

सहायक पुस्तकें :–

1. हितोपदेश (मित्रलाभ) –नारायण पण्डित विरचित
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी: (संज्ञा–संधि–कारक–स्त्रीप्रत्यय–समास प्रकरणम्) डॉ.आद्याप्रसाद मिश्र
3. स्नातकसंस्कृतव्याकरण – डा. नेमीचन्द शास्त्री
4. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका – डॉ. बाबूराम सक्सेना
5. स्नातकसंस्कृतरचनानुवादकौमुदी – पं. नन्दकुमार शास्त्री
6. संस्कृतव्याकरणकौमुदी (1–4 भाग) – पं. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
7. हायरसंस्कृतग्रामर – एम. आर. काले
8. वृहद् अनुवादचन्द्रिका – पं. चक्रधर हंस नौटियाल
9. सिद्धान्तकौमुदी प्रथम भाग – पं. बालकृष्ण व्यास
10. स्टूडेंट्स गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन – वी. एस. आप्टे, अनु. उमेशचन्द्र पाण्डे
11. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
12. हितोपदेश, डॉ. राजेश कुमार जोशी, हिमांशु प्रकाशन, उदयपुर, नई दिल्ली

*****